

ॐ हुं भूँ औं मध्यमाभ्यां नमः ॐ ऐं ह्रीं कौं अनामिकाभ्यां नमः ॐ ओं
श्रीं कनिष्ठिकाभ्यां नमः ॐ अः फट् कार्त्तवीर्याय नमः करत्तक
रपृष्ठाभ्यां नमः ॐ ओं औं कौं हृदयाय नमः ॐ इवीं शिरसि स्वाहा ॐ
हुं भूँ औं शिखायै वषट् ॐ ऐं ह्रीं कौं कवचाय हुं ॐ ओं श्रीं हनेत्रत्रया
यै वौषट् ॐ अः फट् कार्त्तवीर्यार्जुनाय नमः अस्त्राय फट् इति क
रन्यास अथाक्षरन्यासः ॐ कौं ॐ हृदये ॐ चै ॐ उदरे ॐ कौं ॐ
नाभौ ॐ भूँ ॐ जठरे ॐ औं ॐ गुह्ये ॐ ह्रीं ॐ उर्वीः ॐ कौं ॐ जान्वाः

आदी:

३

ॐ श्री ॐ वादयोः ॐ हूं ॐ मङ्गी ॐ फट् ॐ वाः ॐ कामस्तके ॐ तैलला
ॐ वां धुवाः ॐ यो कर्गयोः ॐ मुनेत्रयोः ॐ नाना सिमायां ॐ धे
मुखि ॐ नैकरि ॐ मस्तकभयोः ॐ श्री चोत्ती धूं आं ही कौ श्री हूं फ
दकार्त्तवी र्णार्जुनाय नमः सर्वाङ्गे ॐ नमो भगवते भो भो कार्त्तवी
र्णार्जुन ॐ श्री ॐ मम हृदये दुःखं दारय दारय दुःखं हन हन पापं
मथ मथ आगे गे कुरु कुरु हृदये हन हन हां हां हूं हूं फट् समा हा १
ॐ नमो ॐ श्री ॐ मम उदरे दुः २ ॐ नमो ॐ श्री मम नाभौ दुः ३

ॐ नमो ॐ श्री ॐ मम जठरे दुः ४ ॐ नमो ॐ श्री ॐ मम गुह्यमण्ड
ले दुः ५ ॐ नमो ॐ श्री ममोरुधुआनुपादेष्टु दुः ६ ॐ नमो ॐ श्री ॐ
मम मुखे दुः ७ ॐ नमो ॐ श्री ॐ मम भ्रूयुगले दुः ८ ॐ नमो ॐ श्री
ॐ मम कर्णाधिनासिका चक्रकण्ठे दुः ९ ॐ नमो ॐ श्री ॐ मम
बाहुयुगले दुः १० ॐ नमो ॐ श्री ॐ ममापादतलमस्तकं सर्वशरीरे दुः
११ ॐ नमो ॐ श्री ॐ ममापाद १२ ॐ नमो ॐ श्री ॐ ममापाद
१३ ॐ नमो ॐ श्री ॐ ममायाद १४ ॐ नमो ॐ श्री ममायाद १५

ॐ

